अखिल भारतीय श्री जैन रत्न आध्यात्मिक शिक्षण बोर्ड, जोधपुर

कक्षा : नवमी – जैन सिद्धान्त प्रभाकर पूर्वार्द्ध (परीक्षा 30 जून, 2013)

समय : 3 घण्टे अंक : 100

रोल नं.: (अंकों में) .....

(शब्दों में) .....

परीक्षा केन्द्र की कोड संख्या :

केन्द्राधीक्षक/निरीक्षक के हस्ताक्षर

परीक्षार्थियों के लिए आवश्यक निर्देश–

1. सभी प्रश्नों के उत्तर इसी पत्रक में प्रश्न के नीचे/सामने छोड़े गये रिक्त स्थान में ही लिखें।
2. काली अथवा नीली स्याही का प्रयोग करें, लाल स्याही का नहीं।
3. उत्तीर्ण होने के लिए कम से कम 50 प्रतिशत अंक पाना अनिवार्य है अन्यथा अनुत्तीर्ण माना जाएगा।
4. किसी भी प्रकार की नकल नहीं करें एवं किसी से बातचीत का भी प्रयास नहीं करें। इसके अंक काटे जा सकते हैं अथवा परीक्षा निरस्त की जा सकती है।
5. अधीक्षक, पर्यवेक्षक एवं वीक्षक के निर्देशों का पालन करें।
6. कहीं पर भी अपना नाम अथवा केन्द्र का नाम नहीं लिखें।

जाँचकर्त्ता के प्रयोग हेतु–

प्रश्न क्र.	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	कुल योग
प्राप्तांक											
पूर्णांक	10	10	10	10	6	6	12	18	6	12	100
पुनः जाँच											

जाँचकर्त्ता के हस्ताक्षर

प्र.1 निम्नलिखित प्रश्नों में से सही उत्तर का क्रमाक्षर कोष्ठक में लिखिए :- **10x1=(10)**

(a) जो हिंसा, अन्यायादि से धन कमाता है, उस प्रमादी व्यक्ति को धन से कहीं भी क्या संभव नहीं है -

(क) लाभ (ख) सुरक्षा

(ग) सुख (घ) इनमें में से कोई नहीं ( )

(b) धन से उत्पन्न होती है -

(क) चंचलता (ख) भय

(ग) अहंभाव (घ) ये सभी ( )

(c) शिक्षित व कवचधारी घोड़ा किसका निरोध करने से युद्ध में विजयी होकर उसके त्रास से मुक्त हो जाता है -

(क) स्वतंत्रता (ख) परतंत्रता

(ग) स्वच्छन्दता (घ) निर्दोषता ( )

(d) मनुष्य जन्म को पाकर जो व्यक्ति धर्म-श्रवण करता है, वह प्राप्त कर लेता है -

(क) सम्यग्ज्ञान (ख) सम्यक्त्व

(ग) पराक्रम (घ) सम्यक् चारित्र ( )

(e) उमास्वाति ने किसके पास दीक्षा ग्रहण की -

(क) घोषनन्दी क्षमाश्रमण (ख) शिवश्री

(ग) हेमचन्द्राचार्य (घ) इनमें से कोई नहीं ( )

(f) तत्त्वार्थ सूत्र के दसों अध्ययनों में कुल सूत्र हैं -

(क) 354 (ख) 344

(ग) 444 (घ) 434 ( )

(g) पांचवें गुणस्थान में क्रियाएं पायी जाती हैं -

(क) 25 (ख) 22

(ग) 21 (घ) 24 ( )

(h) तीसरे गुणस्थान में योग पाए जाते हैं -

(क) 10 (ख) 13

(ग) 09 (घ) 08 ( )

(i) लोक सान्त है या असान्त, यह प्रश्न भगवान महावीर से किसने पूछा -

(क) जमालि (ख) इन्द्रभूति गौतम

(ग) श्राविका जयन्ती (घ) परिव्राजक स्कंदक ( )

(j) आवश्यक निर्युक्ति में आचार्य भद्रबाहु ने प्रत्याख्यानों में कितने प्रकार के दोष लगने के बारे में लिखा है -

(क) 04 (ख) 03

(ग) 02 (घ) 05 ( )

प्र.2 निम्न प्रश्नों के उत्तर 'हाँ' अथवा 'नहीं' में दीजिए :- 10x1=(10)

(a) बालतप आदि के कारण से जीव असुर संबंधी निकाय में जाता है। ( )

(b) भारंड पक्षी के एक पेट तथा चार पैर होते हैं। ( )

(c) सेंध के मुखद्वार पर पकड़ा गया पापकर्म करने वाला चोर अपने एवं परिवारजनों के कर्मो के कारण छेदा जाता है। ( )

(d) पउस्से का अर्थ प्रद्वेष होता है। ( )

(e) तत्त्वार्थ सूत्र में पुण्य और पाप इन दोनों को स्वतंत्र तत्त्व न मानकर संवर और बंध में समाहित कर लिया गया है। ( )

(f) श्रुतज्ञान में इन्द्रियों की अपेक्षा मन की प्रमुखता होती है। ( )

(g) चौथे गुणस्थान में छब्बीस लाख जीवयोनियां पायी जाती हैं। ( )

(h) बारहवें गुणस्थान की स्थिति जघन्य उत्कृष्ट अन्तर्मुहूर्त की है। ( )

(i) विषय का ज्ञान स्याद्वाद है और उसकी कथन शैली अनेकान्त है। ( )

(j) भवचरिम का अर्थ आयुष्य का अंतिम भाग होता है। ( )

प्र.3 मुझे पहचानो :- 10x1=(10)

(a) दया, लज्जा, जुगुप्सा, अछलना, तितिक्षा और अहिंसा ये मेरे पर्यायवाची हैं। .....

(b) धर्म पर श्रद्धा करने पर मैं प्राप्त होता हूँ। .....

(c) चार कामस्कन्धों में मेरा स्थान चौथा है। .....

(d) मैं सबसे दुर्लभतम अंग हूँ। .....

(e) मैं अवधिज्ञान का ऐसा भेद हूँ जो उत्पत्ति क्षेत्र को छोड़ देने पर कायम नहीं रहता। .....

(f) मैं नयों के पांच भेदों में से एक ऐसा भेद हूँ जो भूतकाल और भविष्यकाल का ध्यान न करके केवल वर्तमान को ही ग्रहण करता हूँ। .....

(g) मैं वह गुणस्थान हूँ जिसमें सम-समयवर्ती त्रैकालिक जीवों के परिणामों में निवृत्ति (भिन्नता) नहीं होती तथा बादर संज्वलन कषाय का उदय रहता है। .....

(h) मैं समकित का वह भेद हूँ जो चौथे से सातवें गुणस्थान तक पाया जाता हूँ। .....

(i) एक समय में एक गुणधर्म को मुख्यता देते हुए भी उसमें निहित अन्य गुणधर्मो का निषेध नहीं करना मेरी मौलिक विशेषता है। .....

(j) मैं एक ऐसा व्रत हूँ जो आत्मगुणों को पुष्ट करने के लिए किया जाता हूँ तथा मेरा काल सूर्योदय से दूसरे दिन सूर्योदय तक होता है। .....

प्र.4 प्रश्न एवं उत्तर दोनों क्रम से नहीं दिये हुए हैं, आप उत्तर की जोड़ी मिलाकर सही उत्तर रिक्त स्थान में लिखिए :- **10x1=(10)**

(a)	जमालि	-	अबद्धपोतवाद	.....
(b)	अश्वमित्र	-	द्वैक्रियावाद	.....
(c)	गंगाचार्य	-	1	.....
(d)	बोटिक शिवभूति	-	समुच्छेदवाद	.....
(e)	मनुष्य	-	18	.....
(f)	चूहा	-	2	.....
(g)	ज्ञानावरणीय कर्मोदय से उत्पन्न परीषह संख्या	-	सात विकल्प	.....
(h)	अन्तराय कर्मोदय से उत्पन्न परीषह संख्या	-	क्रियमाण	.....
(i)	स्याद्वाद	-	जरायुज	.....
(j)	पौषध के दोष	-	पोतज	.....

प्र.5 निम्न प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में दीजिए :- **3x2=(6)**

(a) किन गुणों के कारण विशेष शुद्धि हो जाने के कारण मनुष्यायु का बंध होता है ?

.....

.....

(b) प्रमाद का अर्थ लिखते हुए इसके भेद लिखिए।

.....

.....

(c) 'जं किंचि पासं ' इसकी व्याख्या कीजिए।

.....

.....

प्र.6 निम्न प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में दीजिए :- **3x2=(6)**

(a) **अवाय किसे कहते हैं ?**

.....

.....

(b) **वक्रगति किसे कहते हैं ?**

.....

.....

(c) **'अप्रतिघाते ' सूत्र का अर्थ लिखिए।**

.....

.....

प्र.7 निम्न प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में दीजिए :- **6x2=(12)**

(a) **अविरति सम्यग्दृष्टि गुणस्थान का लक्षण बताइए।**

.....

.....

(b) **क्षयोपशम का अर्थ बताइए।**

.....

.....

(c) **निर्जरा द्वार को समझाइए।**

.....

.....

(d) **दण्डक द्वार को समझाइए।**

.....

.....

(e) **चौथे एवं सातवें गुणस्थान की आगति मार्गणा एवं गति मार्गणा को समझाइए।**

.....

.....

(f) **तेरहवें गुणस्थान में कितने हेतु पाए जाते हैं ?**

.....

.....

प्र.8 निम्न गाथाओं का अर्थ लिखिए :- **6x3=(18)**

(a) **कम्मसंगेहिं सम्मूढा, दुक्खिया बहुवेयणा।**

अमाणुसासु जोणीसु, विणिहम्मंति पाणिणो।।

.....

.....

.....

(b) **सुइं च लद्धुं सद्दं च, वीरियं पुण दुल्लहं।**

बहवे रोयमाणा वि, नो एणं पडिवज्जए।।

.....

.....

.....

(c) **मित्तवं नाइवं होइ, उच्चागोए य वण्णवं।**

अप्पायंके महापन्ने, अभिजाए जसो बलं।।

.....

.....

.....

(d) **भोच्चा माणुस्सए भोए, अप्पडिरूवे अहाउयं।**

पुव्वं विसुद्ध सद्धम्मे, केवलं बोहि-बुज्झिया।।

.....

.....

.....

(e) **जे पावकम्मेहिं धणं मणुस्सा, समाययंती अमइं गहाय।**

पहाय ते पास पयट्ठिए नरे, वेराणुबद्धा नरयं उवेंति।।

.....

.....

.....

(f) **सुत्तेसु यावि पडिबुद्धजीवी, न वीससे पंडिए आसुपन्ने।**

घोरा मुहुत्ता, अबलं सरीरं, भारंडपक्खीव चरेऽप्पमत्तो।।

.....

.....

.....

(g) **स पुव्वमेवं न लभेज्ज पच्छा, एसोवमा सासयवाइयाणं।**

विसीयई सिढिले आउयंमि, कालोवणीए सरीरस्स भेए।।

.....

.....

.....

प्र.9 निम्नलिखित सूत्रों के अर्थ लिखते हुए संक्षिप्त विवेचन कीजिए :- 2x3=(6)

(a) **संसारिणो मुक्ताश्च।**

.....

.....

(b) **रूपिष्ववधे।**

.....

.....

प्र.10 निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर 2-3 वाक्यों में दीजिए :- 4x3=(12)

(a) **'जीव का सोना अच्छा या जागना' इसके उत्तर में भगवान महावीर ने क्या फरमाया ?**

.....

.....

.....

(b) **स्याद्वाद का अर्थ संक्षिप्त में समझाइए।**

.....

.....

.....

(c) **भगवती सूत्रानुसार सुप्रत्याख्यान का अर्थ समझाइए।**

.....

.....

.....

(d) **प्रत्याख्यान आवश्यक में वर्णित कोई दो विशुद्धियां लिखिए।**

.....

.....

.....